## पद ३१९

(राग: झिंजोटी - ताल: दीपचंदी)

नी दारू ननगे ना येनु निनगे। नानीनु अंबोदु प्रकृति स्वभावा।।ध्रु.।। प्रथमिल्ल शिवनु अवनिंद जिवनु। शिवनु इल्लदली जीवनु अभावा।।१।। यिल्लतु काया अल्ल्यादो छाया। काया इल्लदिल्ल छायानु अभावा।।२।। माणिक ह्यसरिल्ल नी नानु हुट्टल्लि। द्वैत मार्ग बिट्टु नोडु अनुभवा।।४।।